This question paper contains 3 printed pages.]

7743 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. (एम.ए.) / I **A**

HINDI (हिन्दी)

Paper 3 (प्रश्न-पत्र 3)

(Ritikaleen Kavya)

(रीतिकालीन काव्य)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) जम-करि-मुँह-तरहरि पर्‌यौ, इहिं धरहरि चित्तलाउ।
विषय-तृषा परिहरि अजौं नरहरि के गुन गाउ॥

[P.T.O.

अथवा 7

दौरि सबै एक बार ही दैत सु आये हैं चंडी के सामुहे, कारे।
लै कर बान कमानन तान घने, अरु कोप सौं सिंह प्रहारे।
चंडि सम्हारि तबै करवार, हकारि कै शत्रु-समूह निवारे।
खांडव जारन कौ अगिनी तिह पारथ नै जनु मेघ बिडारे॥

(ख) (i) विषयी विषय अभेद सों जहाँ करत कछु काज।
बरनत तहँ परिनाम हैं कवि कोबिद सिरताज॥

(ii) कै बहुतै कै एक जहँ एकहि को उल्लेख।
बहुत करत उल्लेख तहँ कहत सुकवि सबिसेख॥

अथवा 7

मेरोई जीव जौ मारत मोहिं तो प्यारे कहा तुम सों कहनो है।
आँखिन हूँ पहचानि तजी कछु ऐसोई भागनि को लहनो है।
आस तिहारि मै हो घनआनँद कैसे उदास भएँ रहनो है।
जान है, होत इते पै अजान जो तो बिन पावक ही दहनो है॥

7

2. बिहारी की 'बहुज्ञता' पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा 12

बिहारी की काव्य-कला का विवेचन कीजिए।

3. घनानंद की 'प्रेम व्यंजना' पर प्रकाश डालिए।

अथवा 12

घनानंद के अप्रस्तुत-विधान का विवेचन कीजिए।

4. मतिराम के आचार्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा 12

गुरु गोविन्द सिंह कृत चण्डी चरित्र के काव्य सौंदर्य की समीक्षा कीजिए।